

नाम :

दिनांक :

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

तुम कुटीर उद्योग बढ़ाओ, बेकारी का शमन करो ।
जितना भी धन है सब खा कर तुम न अकेले हजम करो ॥
धन से भूत न बन कर चिपटो धन तुमको खा जाएगा ।
धन जितना तुम दान करोगे, धन चरणों में आएगा ॥
पूँजी कर व्यय विकास में, दुनिया को आबाद करो ।
पूँजीपति हो तुम भूतल पर नए-नए निर्माण करो ॥

1 : बेकारी का शमन कैसे हो सकता है ?

.....
.....
.....

2 : धन का सदुपयोग कैसे कर सकते हैं ?

.....
.....
.....

3 : इस पृथ्वी पर नए-नए आविष्कार कैसे कर सकते हैं ?

.....
.....
.....

.....
.....
.....
.....

3 प्रश्न : इस पृथ्वी पर नए-नए आविस्कर कैसे कर सकते हैं ?

.....
.....
.....

4 प्रश्न : कवि किस स्थिति का वर्णन कर रहा है ?

.....
.....
.....

5 प्रश्न : निम्नलिखित का समानार्थी शब्द छँटकर लिखिए :

बेरोजगारी , समाप्त, सम्पत्ति, भूतल